VISION IAS

www.visionias.in

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 1837)

Name of Candidate	Pooja Meena		
Medium Hindi/Eng.	Hindi	Registration Number	154350
Center	online	Date	19/8/22

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1(a)	10	
1(b)	10	
2(a)	10	
2(b)	10	
3(a)	10	
3(b)	10	
4(a)	10	
4(b)	10	
5(a)	10	
5(b)	10	
6(a)	10	
6(b)	10	
6(c)	10	
7	20	
8	20	
9	20	
10	20	
11	20	
12	20	

Total Marks Obtained:

Remarks:

Signature of Examiner

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWELVE** questions printed in **ENGLISH & HINDI**
   इसमें बारह प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

16-B, 2nd Floor, Above National Trust Building, Bada Bazar Marg, Old Rajinder Nagar, Delhi-110060

Plot No. 857, 1st Floor, Banda Bahadur Marg (Opp Punjab & Sindh Bank), Dr. Mukherjee Nagar Delhi- 110009

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

SECTION – A

1. (a) Explain why altruism constitutes one of the core values in public life. In this regard, suggest some measures to foster altruistic behaviour in public services. (150 words) 10

स्पष्ट कीजिए कि परोपकारिता सार्वजनिक जीवन में प्रमुख मूल्यों में से एक क्यों है। इस संबंध में लोक सेवाओं में परोपकारी व्यवहार को बढ़ावा देने के लिए कुछ उपायों का सुझाव दीजिए।

" परहित सरिस धर्म नहीं भाई।
परपीड़ा सम अधमाई ॥"

(दूसरों की भलाई से बड़ा कोई धर्म नहीं और दूसरों को पीड़ा पहुँचाने से बड़ा कोई अधर्म नहीं है।)

परोपकारिता का महत्व

(a) आय एवं सामाजिक भेदभाव को कम करने हेतु आवश्यक।
(ऑक्सफैम की रिपोर्ट अनुसार 1% धनी व्यक्तियों के पास 49% संपत्ति है)

(b) नवाचार एवं साहस पूर्ण कार्य हेतु
मणिपुर के IAS आर्मस्ट्रांग पेम द्वारा 100 किमी की सड़क का निर्माण करना

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

⑥ सामाजिक न्याय एवं शांति की स्थापना हेतु।
(27 साल जेल में रहने के बाद नेल्सन मंडेला के राष्ट्रपति बनने के बाद भी सभी को माफ करना)

मूल्य को बढ़ाने के उपाय

① नागरिक प्रशासन एवं प्रशिक्षण द्वारा (लबासना की ट्रेनिंग के दौरान प्राचीन व्यक्तित्व की शिक्षा)

② नीति संहिता को वैधानिकता प्रदान कर

③ आचार संहिता एवं 360° मूल्यांकन की सहायता।

परोपकार की सहायता से करुणा एवं समानुभूति के मूल्य स्वतः ही उत्पन्न हो जाते हैं।

1. (b) Certain actions can be right even though they do not maximize good consequences, for the rightness of such actions consists in their representing certain norms. Discuss with examples. (150 words) 10

कुछ कार्य सही हो सकते हैं, भले ही वे अच्छे परिणामों को अधिकतम न करें, क्योंकि ऐसे कार्यों का औचित्य उनमें शामिल कुछ मानदंडों में निहित होते हैं। उदाहरणों के साथ चर्चा कीजिए।

भगवद् गीता एवं कांट द्वारा 'निष्काम कर्म' तथा 'विशुद्ध कर्तव्यपालन' पालन की भावना से कार्य करने की शिक्षा दी गई है।

गांधीजी द्वारा भी 'साधनों की पवित्रता' पर अत्यधिक बल दिया गया है। कार्यों का औचित्य उसमें निहित मापदंडों यथा स्वतंत्रता, समानता एवं सामाजिक न्याय इत्यादि के माध्यम से निर्धारित होता है।

राजस्थान के लोक सेवक 'समित शर्मा' द्वारा कोविड-19 के समय स्वास्थ्य सुविधा को तीव्र एवं समावेशी बनाने हेतु बिना किसी परिणाम की परवाह

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

किए, अपने कर्तव्यों का पालन किया।

लोक सेवकों द्वारा परिणामों की चिंता किए बिना सामाजिक कल्याण (लोक संग्रह) की प्राप्ति हेतु 'स्थितप्रज्ञ' की भांति कार्य करना चाहिए।

राजनीतिक अपराधीकरण, भ्रष्टाचार एवं भाई-भतीजावाद के कारण लोक-सेवकों के समक्ष समस्या उत्पन्न होती है। इन्हीं समस्याओं के समाधान हेतु लोक सेवकों को नॉलन समिति के 7 मूल्यों का पालन करना चाहिए

द्वितीय प्रशासनिक आयोग समिति द्वारा सुशासन को प्रभावी शासन की पूर्व मान्यता माना है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. **(a)** With the help of appropriate examples, discuss the ethical challenges involved in policing in India. Also, highlight the reasons behind corruption in the police force. **(150 words) 10**

उपयुक्त उदाहरणों की सहायता से भारत में पुलिसिंग (पुलिस व्यवस्था) में शामिल नैतिक चुनौतियों पर चर्चा कीजिए। साथ ही, पुलिस बल में व्याप्त भ्रष्टाचार के कारणों पर प्रकाश डालिए।

राज्य में कानून व्यवस्था बनाए रखने एवं असामाजिक क्रियाविधियों पर नियंत्रण रखने हेतु 'पुलिस व्यवस्था' की व्यवस्था की गई।

पुलिस व्यवस्था में शामिल नैतिक मुद्दे

↓

① सत्यनिष्ठता एवं ईमानदारी का अभाव
(राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के अनुसार लगभग 40% पुलिस अफसरों द्वारा रिश्वत ली जाती है)

② संवेदनशीलता एवं करुणा का अभाव
दलितों एवं जनजातियों के प्रति साथ ही महिलाओं के प्रति भेदभाव (पिंक मूवी, जय भीम मूवी, article 15 मूवी उदाहरण)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

⑥ अपने कर्तव्यों के प्रति उदासीन
↳ चोरी व अन्य छोटे मुद्दों में FIR दर्ज न करना।

⑦ राजनीतिक अपराधीकरण, लालफीताशाही

भ्रष्टाचार के कारण
→ वेतन अत्यंत कम
→ डोमिनो प्रभाव (सभी लेते हैं कल्चर)
→ उचित शिकायत / निवारण तंत्र का अभाव
→ आचरण संहिता की अबाध्यता
↓ (भ्रष्टाचार का संस्थानीकरण)

उपाय

कानूनी
↓
- भ्रष्टाचार निवारण अधि॰ को संशोधित
- बेनामी संपत्ति लेन देन कानून

नैतिक
↳ आचरण संहिता की वैधता
- नीति संहिता को संहिताबद्ध करना

भ्रष्टाचार को 'दीमक की भाँति' विनाशकारी माना जाता है।

2. (b) A right combination of spirit and structure is integral to ethical corporate governance. Discuss. (150 words) 10

भावना और संरचना का सही संयोजन नैतिक कॉर्पोरेट गवर्नेंस का अभिन्न अंग होता है। चर्चा कीजिए।

नैतिक कारपोरेट गवर्नेंस से अभिप्राय ऐसे शासन से है, जिसमें सभी कर्मचारियों द्वारा नैतिक मानकों के अनुरूप कार्य-निष्पादन किया जाता है।

भावना और संरचना का सही संयोजन

कारपोरेट गवर्नेंस	नैतिकता/भावना
संरचनात्मक पक्ष से संबंधित	संवेगात्मक पक्ष से संबंधित
मूल्य तटस्थ	मूल्य सापेक्ष
'क्या है' पर केन्द्रित	'क्या होना चाहिए' पर केन्द्रित
सीमित	समग्र

Don't write anything in this margin

दोनों के संयोजन से प्रभाव

- भ्रष्टाचार में कमी
- निवेशकों और शेयरधारकों के मध्य पारदर्शी संबंध
- भागीदार पूंजीवाद → हितधारक पूंजीवाद
- नैतिक व अच्छी कार्य संस्कृति

वर्तमान में कारपोरेट शासन में इनसाइडर ट्रेडिंग, अनैतिक गतिविधियाँ देखने को मिल रही है।

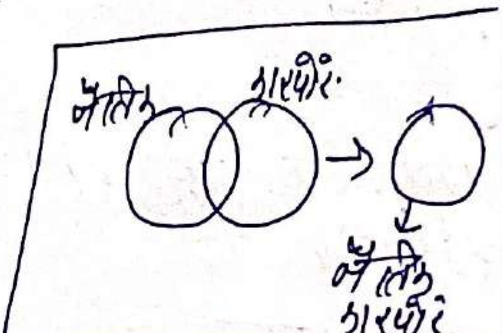

ट्रिपल बॉटम लाइन (पीपुल प्रॉफिट व प्लैनेट) से नैतिक कारपोरेट शासन की स्थापना।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. (a) It is not only public servants, but also the common citizens who play a key role in institutionalising high standards of ethical conduct and good governance. Elaborate. (150 words) 10

न केवल लोक सेवक, बल्कि आम नागरिक भी नैतिक आचरण और सुशासन के उच्च मानकों को संस्थागत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सविस्तार वर्णन कीजिए।

सामान्यतः शासन, सुशासन एवं प्रभावी शासन की स्थापना के संदर्भ में लोक सेवकों की ही चर्चा की जाती है कि लोक सेवकों को सत्यनिष्ठा, ईमानदारी जैसे मूल्यों का पालन करना चाहिए।

लेकिन न केवल लोक सेवक बल्कि आम नागरिक भी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करते हैं →

① 'भ्रष्टाचार के संस्थानीकरण' को रोकने हेतु लेनदार व देनदार दोनों के स्तर पर सुधार जरूरी

② डोमिनो प्रभाव हेतु → यदि एक में सुधार आया दूसरे में नहीं तो, ऐसे में या तो सुधरने की या बिगड़ने की संभावना

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

बनी रहती है।

① हितधारक नैतिकता हेतु / सुशासन की स्थापना हेतु, शासन में सभी हितधारकों को शामिल किया जाना जरूरी।

उपचारात्मक उपाय

① सामाजिक लेखा परीक्षा, सामाजिक परीक्षा

② सामुदायिक उत्तरदायित्व हेतु सूचना का अधिकार अधिनियम, सिटीजन चार्टर।

गाँधीजी के अनुसार एक व्यक्ति का अधिकार दूसरे का कर्तव्य होता है। अतः लोक सेवक एवं व्यक्ति परस्पर जुड़े हुए हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. (b) Public administration in India suffers from the 'working-in-silos' culture. In this context, discuss the importance of cooperation, coordination and collaboration for efficient governance. **(150 words) 10**

भारत में लोक प्रशासन 'एकाकी कार्य' संस्कृति ('वर्किंग-इन-साइलो' कल्चर) से ग्रस्त है। इस संदर्भ में, कुशल गवर्नेंस के लिए सहयोग, समन्वय और सहभागिता के महत्व पर चर्चा कीजिए।

कौटिल्य द्वारा लोक-प्रशासन को सुप्रशासन की सबसे महत्वपूर्ण कुंजी मानते थे।

लोक प्रशासन के कार्य →
- सामाजिक-आर्थिक विकास हेतु नीति-निर्माण
- नीतियों का कार्यान्वयन
- लोकतंत्र के आदर्शों का पालन

लोक-प्रशासन 'एकाकी कार्य' संस्कृति से ग्रस्त

- सख्त कोड / प्रक्रिया / संचालन के अनुसार कार्य करना → भ्रष्टाचार की संभावना खत्म
- केन्द्रीय सिविल सेवा आचरण नियमावली, 1964 से बंधा हुआ
- औपनिवेशिक विरासत के अनुरूप

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

व्यवहार करना।

कुशल शासन हेतु सहयोग, समन्वय और सहभागिता

↓

→ जनता के साथ मिलकर सामुदायिक भागीदारी सुनिश्चित।
(अरुणाचल प्रदेश के IAS देवांश यादव द्वारा लोगों की सहायता से सड़क निर्माण को पूरा किया)

→ संकटकालीन एवं आपातकालीन स्थिति में सहायक।
(कोविड-19 के समय IPS अतुल कुलकर्णी द्वारा 'भारत सेतु' करके शिकायत निवारण तंत्र का गठन)

→ नवाचार व आविष्कार की उत्पत्ति
↳ (मणिपुर के आर्मस्ट्रांग पेम)

साइलो → नवाचार की ओर ले जाती है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. (a) While emotional intelligence is an essential tool for a public servant, it can also be misused to manipulate people to act against their own interests. Discuss with examples. (150 words) 10

हालांकि, भावनात्मक बुद्धिमत्ता लोक सेवक के लिए एक आवश्यक साधन होता है, लेकिन लोगों को अपने हितों के विरुद्ध कार्य करने के लिए प्रेरित करने हेतु इसका दुरुपयोग भी किया जा सकता है। उदाहरणों के साथ चर्चा कीजिए।

डेनियल गोलमैन के अनुसार स्वयं की भावनाओं को समझते हुए, दूसरों की भावनाओं के साथ प्रबंधित कर व्यवहार करना। भावनात्मक बुद्धिमत्ता कहलाती है।

लोक सेवकों के आवश्यक साधन

① संघर्षों एवं विवादों को निपटाने में (दंगों के दौरान सहायक)

② तीव्र आवेश में शब्दों व भावों पर नियंत्रण (राजनेता तथा वरिष्ठ अधिकारी द्वारा डांटने पर)

③ समानुभूति एवं सामाजिक व्यवहार स्थापित करने में (जनता के साथ संपर्क स्थापित करते समय)

[भावनात्मक बुद्धिमत्ता का दुरुपयोग]

① लोगों को अपने हितों के विरुद्ध कार्य करने हेतु प्रेरित (भ्रष्टाचार एवं रिश्वत लेते समय)

② अपनी गलतियों को छुपाने में दुरुपयोग (किसी सेवा या कार्य के पूरा न होने पर जनता से झूठे वादे करना)

इस प्रकार भावनात्मक बुद्धिमत्ता दो-धारी तलवार की भांति है जिसके सकारात्मक एवं नकारात्मक दोनों पक्ष हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. **(b)** Social influence is an ambivalent concept. It can be a source for good, bad and even for evil. Discuss with the help of relevant examples.

(150 words) 10

सामाजिक प्रभाव एक विरोधाभापी अवधारणा है। यह अच्छे, बुरे और यहां तक कि अशुभ के लिए भी एक स्रोत हो सकता है। प्रासंगिक उदाहरणों की सहायता से विवेचना कीजिए।

समाज या दूसरों के व्यवहार, कार्य, विचार का, किसी व्यक्ति पर प्रभाव पड़ना, सामाजिक प्रभाव कहलाता है।

तीन प्रमुख घटक
- अनुपालन — स्वयं सहमति नहीं / बाध्यता
- पहचान → प्रभावित होना
- आत्मसातीकरण — सहमति / स्वीकृति

विरोधाभासी अवधारणा है! कैसे?

प्रथम घटक है : अनुपालन

इसमें सामाजिक बाध्यता के कारण किसी कार्य को किया जाता है, सहमति एवं स्वीकृति नहीं होने

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

पर भी / ऑफिस से रिश्वत लेना लेकर आना, अनुपालन का भाव।

द्वितीय घटक → पहचान
↓ इसमें किसी प्रसिद्ध व्यक्ति से प्रभावित होकर कार्य किया जाता है। जैसे → फिल्म के किसी अभिनेता द्वारा 'सिगरेट पीना' एवं दूसरी तरफ पर्यावरण की रक्षा करना

तृतीय घटक → आत्मसातीकरण
↓ स्वीकृति व सहमति होने पर पूर्णतः आत्मसात करना। जैसे → अब्दुल कलाम के सुबह चार बजे उठने की प्रेरणा को अपनाना। वहीं पब-जी गेम की भांति लड़ाकू व्यवहार।

इस प्रकार यह विरोधाभास माना जाता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. (a) Effective public service delivery demands a people-centric approach, which is built upon coordination and leverages technology. Discuss.
(150 words) 10

प्रभावी सार्वजनिक सेवा वितरण एक जन-केंद्रित दृष्टिकोण की मांग करता है, जो समन्वय पर आधारित होता है और प्रौद्योगिकी का लाभ उठाता है। चर्चा कीजिए।

शासन का प्रमुख एवं परम कर्तव्यों में से एक है → प्रभावी सार्वजनिक सेवा वितरण।

प्रभावी सार्वजनिक सेवा वितरण
↓ की आवश्यकता

- जन-केन्द्रित दृष्टिकोण की माँग
  ↓ जनता की मांगे है, जिसे राज्य द्वारा पूरा किया जाता है
- समन्वय पर आधारित है
  ↓ जनता – शासन – सरकार के मध्य समन्वय स्थापित करती है
- प्रौद्योगिकी का लाभ उठाता है
  ↓ प्रगति एप, माय गवर्नमेंट.इन

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

इत्यादि की सहायता से नीतियों व योजनाओं की निगरानी करती हैं।

प्रभावी सार्वजनिक सेवा वितरण के लाभ

↓

ⓐ सामाजिक-आर्थिक विकास की स्थापना में सहायक

ⓑ लोकतांत्रिक आदर्शों स्वतन्त्रता समानता व न्याय हेतु

ⓒ प्रभावी शासन व सुशासन हेतु

कमियां
- → अंतर-संस्थागत क्षमता की कमी
- → भ्रष्टाचार, लाल-फीताशाही
- → भाई-भतीजावाद

द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग द्वारा सूचना का अधिकार अधि० को सुशासन की कुंजी बताया।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. (b) Highlight the important teachings of Kautilya that are relevant to public services in 21st century India. (150 words) 10

कौटिल्य की उन महत्वपूर्ण शिक्षाओं पर प्रकाश डालिए, जो 21वीं सदी के भारत में लोक सेवाओं के लिए प्रासंगिक हैं।

कौटिल्य / चाणक्य को 'भारत का मैकियावली' कहा जाता है। इनके द्वारा लिखित 'अर्थशास्त्र' पुस्तक में लोक-प्रशासन के सिद्धान्तों की व्याख्या की।

कौटिल्य की शिक्षाएँ एवं उनकी प्रासंगिकता

- लोक-सेवक को निष्पक्ष एवं तटस्थ रहना चाहिए।
  (वर्तमान की राजनीतिक उठापटक में लोक-सेवकों को राजनीतिक रूप से तटस्थ बनाने में सहायक)
- भ्रष्टाचार से दूर (मछली से तुलना)
  (राजनीतिक अपराधीकरण, भाई-भतीजावाद को रोकने में सहायक)
- लोक सेवक का परम कर्तव्य

Don't write anything in this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

जनता की सेवा करना होना चाहिए।
(राज्य के नीति-निदेशक तत्वों के अनुरूप कल्याणकारी राज्य की स्थापना)

⊙ सत्यनिष्ठ, करुणा एवं सहानुभूति इत्यादि मूल्यों से युक्त लोक सेवक।
(दलितों, आदिवासियों इत्यादि वंचित वर्गों की सहायता में सहायक)

कौटिल्य की शिक्षा न केवल भूत, अपितु वर्तमान में तथा भविष्य में भी महत्वपूर्ण बनी रहेगी।

6. What do each of the following quotations mean to you?

निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके लिए क्या अर्थ है?

(a) "What counts in life is not the mere fact that we have lived. It is what difference we have made to the lives of others that will determine the significance of the life we lead." Nelson Mandela **(150 words) 10**

"जीवन में जो मायने रखता है वह केवल यह तथ्य नहीं है कि हमने अपना जीवन जिया है। दूसरों के जीवन में हमने जो बदलाव लाया है, वह हमारे जीवन के महत्व को निर्धारित करेगा।" - नेल्सन मंडेला

नेल्सन मंडेला ने दक्षिण अफ्रीका की रंगभेद नीति के खिलाफ जन-आंदोलन चला कर इस नीति का नाश किया।

जिस प्रकार मंडेला ने अपने जीवन की महत्ता दूसरों के जीवन में बदलाव से समझा, उसी प्रकार प्रत्येक मनुष्य के जीवन का कोई न कोई लक्ष्य होना चाहिए।

आनंद फिल्म का डायलॉग 'जिंदगी लंबी नहीं बड़ी होनी चाहिए'। भी इस अर्थपूर्ण जीवन

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

जीने की ओर प्रशस्त करता है।

वर्तमान की भौतिकवादी, भोगवादी दुनिया में लोगों की दुनिया सिर्फ मोबाइल या कुछ दीवारों तक सिमट कर रह गई। जीवन को अर्थपूर्ण बनाने हेतु प्रयास करना चाहिए।

इरोम शर्मिला, तुलसी गौड़ा, कैलाश सत्यार्थी जैसे उदाहरण हैं, जिन्होंने दूसरों के जीवन में बदलाव हेतु कार्य किया।

लोक प्रशासन के क्षेत्र में टी.एन. शेषन, मेट्रो मैन श्रीधरन प्रमुख उदाहरण देखे जा सकते हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. (b) "I care only for the Spirit when that is right, everything will be righted by itself". Swami Vivekananda. (150 words) 10

"मुझे केवल मूल (आत्मा) की परवाह है- जब वह सही होगा, तो सब कुछ स्वयं ही सही हो जाएगा।" - स्वामी विवेकानंद

स्वामी विवेकानंद ने बाह्य स्तर पर सुधार करने की बजाय, आंतरिक एवं आध्यात्मिक स्तर पर कार्य करने की बात कही।

इनके अनुसार आत्मा के स्तर पर अवरोधों, ग्रंथियों को सुलझाना चाहिए, जब अंदर के ग्रंथियाँ सुलझ जाते हैं, तो बाह्य स्थितियाँ अपने आप ही सही होने लगती है।

योग के माध्यम से आंतरिक भावनाओं एवं संवेगों पर नियंत्रण करना सिखाया जाता है। एक बार जब आंतरिक स्तर पर व्यक्ति शांत एवं संतुलित हो जाता है तो वह बड़ी से बड़ी समस्या को भी आसानी से सुलझा

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

लेता है।

1960 के दशक में लाल बहादुर शास्त्री देश के दूसरे प्रधानमंत्री के रूप में पदभार संभाल रहे थे। भारत-चीन युद्ध की हार सहने के बाद उन्होंने सैनिकों को पाकिस्तान के विरुद्ध युद्ध लड़ने हेतु प्रेरित किया और जीत दिलाई।

इसी प्रकार महाभारत के युद्ध में सामने रिश्तेदारों व अपनों के विरुद्ध सच्चाई के लिए 'अर्जुन' ने पूरी निष्ठा से युद्ध लड़ा। इस प्रकार जो व्यक्ति आत्मा के स्तर पर सुदृढ़ होता है, बड़ी से बड़ी समस्या का सामना कर लेता है।

सुशासन की स्थापना हेतु लोक सेवकों की मानसिक मजबूती पूर्वापेक्षा

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. (c) "True peace is not merely the absence of tension; it is the presence of justice." Martin Luther King Jr (150 words) 10

"वास्तविक शांति केवल तनाव की अनुपस्थिति नहीं है; बल्कि यह न्याय की उपस्थिति भी है।" - मार्टिन लूथर किंग जूनियर

मार्टिन लूथर किंग ने शांति को सिर्फ नकारात्मक अर्थ में स्वीकार न करके सकारात्मक अर्थों में स्वीकारा है।

सामान्यतः शांति से तात्पर्य तनाव का नहीं होने तक ही सीमित कर दिया जाता है। जैसे → समाज में किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं होना, असमानता नहीं होना। यह पूर्ण शांति नहीं मानी जा सकती है।

अभी समाज में एक तबका है जिसके पास खाने को भोजन नहीं, स्वास्थ्य के लिए उचित पहुँच नहीं अतः समाज में पूर्ण शांति तब तक स्थापित नहीं हो सकती जब तक समाज के इस तबके विकास की और अवसर की

Don't write anything in this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

समानता प्रदान न कर दी जाए)

रॉल्स के अनुसार संरक्षणात्मक कार्यवाही की बात कही। अमर्त्य सेन ने आगे चलकर 'क्षमता मूलक दृष्टिकोण' एवं नीति की बात कही। इसके माध्यम से प्रत्येक व्यक्ति की क्षमता का भी विकास किया जाना चाहिए।

भारतीय संविधान में अनुच्छेद 14 विधि के समक्ष समता एवं विधि द्वारा समान संरक्षण के माध्यम से मार्टिन लूथर किंग के पूर्ण शांति जैसे लक्ष्य को पूरा किया गया है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

SECTION – B

In the following questions, carefully study the cases presented and then answer the questions that follow (in around 250 words):

निम्नलिखित प्रश्नों में, प्रस्तुत प्रकरण का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए और उसके बाद आने वाले प्रश्नों के उत्तर दीजिए (लगभग 250 शब्द):

7. You have recently graduated from college and are now preparing for the civil services examination. While reading the newspaper, you come across a news report of a Non-Governmental Organisation (NGO), working for child rights, challenging a provision of the Juvenile Justice Act, 2015, in the Supreme Court of India. The said provision provides for the option of Children in Conflict with Law (CCL) to be tried as adults under certain circumstances. The NGO's plea is that children are not able to understand the gravity of crimes. It has also contended that the criminal acts committed by children are a reflection of failure of the society to take care of its children. In the context of this situation, as a young aspirant, answer the following questions:

(a) What are the possible factors that can drive a child towards committing heinous crimes?

(b) Is it ethical to punish children as adults rather than giving them a chance for reformation? **(20)**

आपने हाल ही में कॉलेज से स्नातक किया है और अब आप सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं। समाचार पत्र पढ़ते समय, आप बाल अधिकारों के लिए काम कर रहे एक गैर-सरकारी संगठन (NGO) की एक खबर के बारे में पढ़ते हैं, जिसमें भारत के उच्चतम न्यायालय में किशोर न्याय अधिनियम, 2015 के एक उपबंध को चुनौती दी गई है। उक्त उपबंध कुछ परिस्थितियों में कानून का उल्लंघन करने वाले बच्चों (CCL) पर वयस्क के रूप में मुकदमा चलाने के विकल्प का प्रावधान करता है। उस NGO की दलील है कि बच्चे अपराधों की गंभीरता को समझने में सक्षम नहीं होते हैं। NGO ने यह भी तर्क दिया है कि बच्चों द्वारा किए गए आपराधिक कृत्य अपने बच्चों की देखभाल करने में समाज की विफलता का प्रतिबिंब हैं। उपर्युक्त परिस्थिति के संदर्भ में तथा एक युवा अभ्यर्थी के रूप में निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) वे कौन-से संभावित कारक हैं जो एक बच्चे को जघन्य अपराध करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं?

(b) क्या बच्चों को सुधार का एक मौका देने के बजाय उन्हें वयस्कों के रूप में दंडित करना नैतिक है?

Don't write anything in this margin (इस भाग में कुछ भी न लिखें)

सामाजीकरण की प्रक्रिया में माँ-पिता एवं शिक्षक महत्वपूर्ण जीवन-शिक्षक की भूमिका निभाते है। बच्चों द्वारा किए जाने वाले अपराधों के लिए बच्चे को जिम्मेदार ठहराया जाए या समाज को ?

प्रस्तुत घटनाक्रम में इसी मुद्दे को वर्णित किया गया है।

(अ) बच्चे को जघन्य अपराध करने के लिए संभावित कारक माने जा सकते हैं →

(i) सामाजिक कारण → सामाजीकरण की प्रक्रिया अनैतिक एवं अपूर्ण होने पर, परिवार की पृष्ठभूमि आपराधिक प्रवृत्ति होने पर।

(ii) आर्थिक कारण → गरीबी, बेरोजगारी आय की असमानता इत्यादि

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

बच्चों के मन में समाज एवं मानव को लेकर क्रोध एवं घृणा का भाव पैदा करते हैं।

① शैक्षणिक कारक : शिक्षा तक पहुँच नहीं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अभाव, नैतिक शिक्षा नहीं होना।

② सामाजिक कारक : सामाजीकरण उपयुक्त तरीके से नहीं होने बच्चों में आपराधिक प्रवृत्ति विकसित हो जाती है।

③ कानूनी कारक → कानून एवं प्रशासन द्वारा बाल श्रम पर प्रतिबंध हेतु ठोस कार्यवाही का अभाव

① बाल श्रम में लिप्त बच्चे उम्र से पहले ही विभिन्न आपराधिक गतिविधियों में लिप्त हो जाते हैं।

① समाज का उपेक्षापूर्ण रवैया

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(ब) सामाजिक - राजनीतिक दर्शन में दंड के तीन सिद्धांत दिए गए हैं। प्रतिकारात्मक, निरोधात्मक एवं सुधारात्मक सिद्धांत।

उच्चतम न्यायालय द्वारा बच्चों को व्यस्क मानने के पीछे प्रतिकारात्मक एवं निरोधात्मक सिद्धांत को मान सकते हैं। इन सिद्धान्तों के अनुसार समाज में पुनः ऐसा कृत्य कोई न करे, इसलिए दंड देना आवश्यक माना जाता है।

उदाहरणार्थ - निर्भया कांड में सबसे छोटा आरोपी एक बालक था यदि उसे तब छोड़ दिया जाता तो समाज में भय व्याप्त नहीं होता। बालक मन अपरिपक्व होता है। अतः दंड एवं

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

पुनर्मिलन के भय से अपराध करने से रोका जाना चाहिए।

दूसरा सिद्धांत सुधारवादी सिद्धांत है। इसका मानना है कि बच्चे द्वारा अपराध करना सामाजीकरण की प्रक्रिया की विफलता है। बच्चे से ज्यादा समाज एवं परिस्थितियों को उत्तरदायी माना जाता है।

इस सिद्धांत के अनुसार बच्चे को वयस्क मानकर दंड देना अनैतिक माना जाएगा। अतः गांधीजी के अनुसार अपराधी से नहीं अपराध से नफरत करो। अनुकूल परिस्थिति एवं वातावरण प्रदान कर बच्चों की अभिवृत्ति में सुधार लाया जा सकता है।

अतः परिस्थिति के अनुकूल दंड व पुनर्मिलन का प्रावधान करना चाहिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. You are a CEO-founder of an edTech company. You are under tremendous pressure from the investors in your company to increase the profitability of the company and undertake downsizing. After making a few bad acquisitions, the company's finances have taken a huge hit in the last couple of years. The downsizing is suggested with the hope that the company's profitability would rise, as it often does when mass

layoff or downsizing decisions are carried out. Moreover, the investors have hinted that such measures would attract further investment from them, which has come as a ray of hope considering the ongoing volatile market conditions and slowdown in big-ticket fundings. Given the situation, rumors of unscrupulous firing have started doing the rounds among employees. It has increased apprehensiveness and reduced cohesiveness among them. You have informed the investors that the cost cutting exercise can affect the output as well as reputation of the company in the long-run. However, they are adamant to pursue the same.

(a) Identify the stakeholders and ethical issues involved in the case.

(b) You and the HR team have identified some options and are deliberating to put them across to the investors for consideration. Discuss the merits and demerits of each of these:

(i) Identifying key high performers and offering them suitable positions before implementing the layoff decision.

(ii) Putting the terminated employees on retainer to work part-time.

(iii) Executing the lay off order in the same spirit as it was asked by the investors and letting them deal with the long-term consequences.

(iv) Improving the perception of fairness among the existing and terminated employees and moving ahead with the layoffs.

(c) Without restricting yourself to the above options, discuss the course of action you will take, and provide adequate reasons for the same.

(20)

आप एक एडटेक कंपनी के सह-संस्थापक और सी.ई.ओ. हैं। कंपनी की लाभप्रदता बढ़ाने और छंटनी (डाउनसाइजिंग) करने के लिए आपके ऊपर कंपनी के निवेशकों का जबरदस्त दबाव है। कुछ खराब अधिग्रहण करने के बाद, पिछले कुछ वर्षों में कंपनी की वित्तीय स्थिति में भारी गिरावट आई है। ऐसे में छंटनी का सुझाव कंपनी की लाभप्रदता में वृद्धि की उम्मीद के साथ दिया गया है, क्योंकि सामान्यतः बड़े पैमाने पर छंटनी के निर्णय से लाभप्रदता बढ़ती है। इसके अलावा, निवेशकों ने संकेत दिया है कि इस तरह के उपायों के परिणामस्वरूप वे कंपनी में और अधिक निवेश कर सकते हैं, जो बाजार में चल रही अस्थिर स्थितियों एवं अधिकाधिक फंडिंग में कमी को देखते हुए आशा की किरण के रूप में हैं। इस स्थिति को देखते हुए कर्मचारियों के बीच बेवजह नौकरी से हटाये जाने की अफवाहों का दौर शुरू हो गया है। इन सब बातों ने उनके बीच आशंका को बढ़ाया है और एकजुटता को भी कम किया है। आपने निवेशकों को सूचित किया है कि लागत में कटौती के प्रयास से कंपनी के उत्पादन के साथ-साथ दीर्घावधि में प्रतिष्ठा भी प्रभावित हो सकती है। हालांकि, वे इसी उपाय को अपनाने पर अड़े हुए हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(a) इस प्रकरण में शामिल हितधारकों और नैतिक मुद्दों की पहचान कीजिए।

(b) आपने और HR टीम ने निम्नलिखित कुछ विकल्पों की पहचान की है तथा उन्हें विचार के लिए निवेशकों के सामने रखने की सोच रहे हैं। इनमें से प्रत्येक के गुणों और दोषों की विवेचना कीजिए:

(i) छंटनी के फैसले को लागू करने से पहले उच्च प्रदर्शन करने वाले अग्रणी कर्मचारियों की पहचान करना और उन्हें उपयुक्त पदों की पेशकश करना।

(ii) हटाये जाने वाले कर्मचारियों को पार्ट-टाइम काम करने के लिए रिटेनर के तौर पर रखना।

(iii) छंटनी के आदेश को उसी भावना से निष्पादित करना जैसा कि निवेशकों द्वारा कहा गया था और उन्हें दीर्घकालिक परिणामों से निपटने की अनुमति देना।

(iv) मौजूदा और हटाये गए कर्मचारियों के बीच निष्पक्षता की धारणा में वृद्धि करना और छंटनी के उपाय के साथ आगे बढ़ना।

(c) स्वयं को उपर्युक्त विकल्पों तक सीमित किए बिना, आपके द्वारा की जाने वाली कार्रवाई पर चर्चा कीजिए और उसके लिए पर्याप्त कारण बताएं।

कंपनियों के कार्य एवं गतिविधियों के सुचारु रूप से संचालन हेतु कार्पोरेट गवर्नेंस की आवश्यकता होती है। कर्मचारियों एवं निवेशकों के मध्य सामञ्जस्य स्थापित करते हुए कंपनी का संचालन किया जाना चाहिए।

प्रस्तुत घटनाक्रम में इसी स्थिति को दर्शाया जा रहा है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(अ) प्रकरण में शामिल हितधारक एवं नैतिक मुद्दे

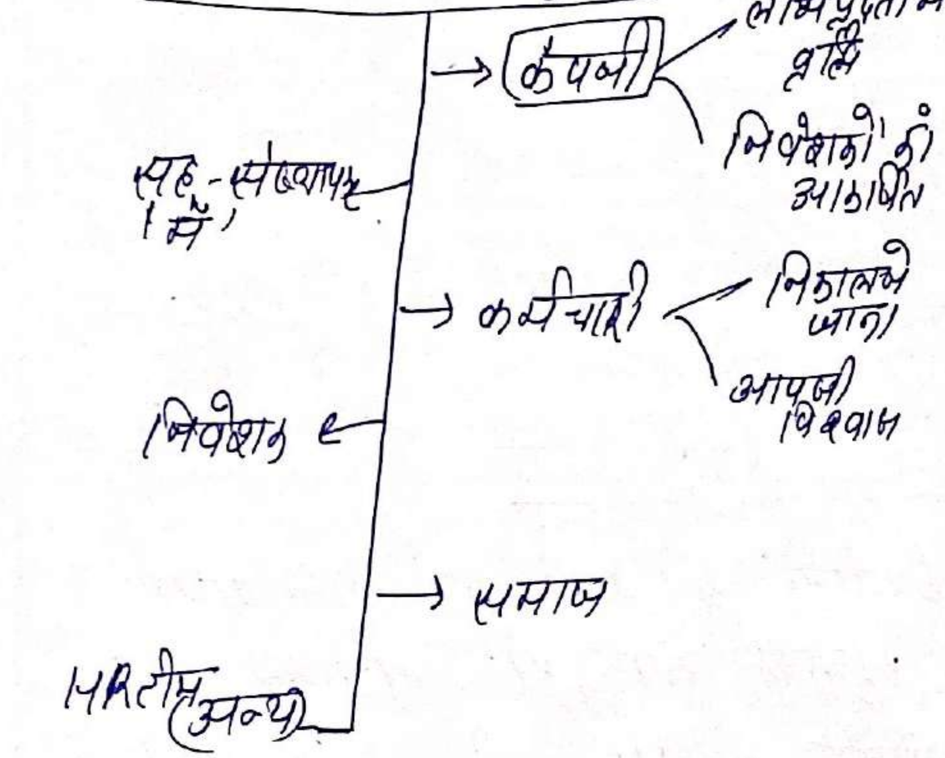

प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे

→ एक तरफ कंपनी की लाभप्रदता में वृद्धि करना है तो दूसरी ओर छंटनी करना।

→ व्यावसायिक नैतिकता बनाम व्यक्तिगत नैतिकता

→ निवेशकों के हित बनाम कर्मचारियों के हित में द्वन्द्व की स्थिति

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(B) प्रथम विकल्प को अपनाने से

गुण
- कर्मचारियों की भी संतुष्टि
- कंपनी की साख के अनुरूप
- ~~निवेशकों~~

दोष
- निवेशकों को नाराज कर सकता है
- कर्मचारियों के मध्य द्वेष

II → द्वितीय विकल्प के संभावित प्रभाव

गुण
- निवेशकों को निवेश करने हेतु प्रोत्साहित
- कर्मचारियों को पार्ट-टाइम करने का अवसर

दोष
- कंपनी की साख के विपरीत
- राजस्व में घाटा
- कर्मचारियों के मध्य हीन भावना

Don't write anything in the margin (इस भाग में कुछ मत लिखें)

III - तीसरे विकल्प के गुण-दोष

गुण

- निवेशकों द्वारा निवेश प्राप्ति में सहायक
- कंपनी की लाभ-प्राप्ति में सहायक

दोष

- कंपनी की साख व प्रतिष्ठा के प्रतिकूल
- कर्मचारियों के आपसी समन्वय के खिलाफ

IV - चौथे विकल्प के गुण-दोष

गुण

- कंपनी की साख व पारदर्शिता का प्रदर्शन
- कर्मचारियों के मध्य आपसी लगाव में वृद्धि

दोष

- निवेशकों द्वारा निवेश के प्रति कमी हो सकती है
- कंपनी के लाभ पर प्रभाव

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(स) अन्य विकल्पों के अतिरिक्त सीईओ होने के नाते निवेशकों एवं कंपनी के कर्मचारियों के हितों को समान्वित करते हुए विकल्प देती। जिससे अधिकतम व्यक्तियों का अधिकतम सुख प्राप्त हो सके।

छटनी की प्रक्रिया को निष्पक्ष बना कर शेष कर्मचारियों को पार्ट-टाइम रख कर निवेशकों को आकर्षित करती। दूसरे व चौथे विकल्प का समन्वय क्योंकि

- कर्मचारियों के हित के अनुकूल
- कंपनी की साख को बनाए
- लाभ-प्रदाता
- निवेशकों को आकर्षित

ट्रिपल बॉटम लाइन (प्रॉफिट, प्लैनेट व पीपल) को ध्यान में रखा जा कर कॉर्पोरेट शासन किया जाए।

9. There is an ongoing ethnic civil war in a neighbouring country. The conflict has caused massive displacement of people from the country. Ironically, the developed countries have closed off their borders to the refugees on account of the COVID-19 pandemic, resource competition, domestic politics etc. With countries sealing off their borders, the refugees are left in a vulnerable situation and many are taking illegal routes to enter your country. As a Senior Official of your country's Ministry of External Affairs, you have been involved in discussions with officials of other nations and are entrusted with the mandate to design a national policy to safely accommodate India bound refugees. In this context, answer the following questions:

(a) Discuss the moral issues related to the rights of international refugees, especially those from conflict-torn regions.

(b) What recommendations would you suggest given the large influx of refugees in India. **(20)**

एक पड़ोसी देश में नृजातीय गृह-युद्ध जारी है। यह संघर्ष उक्त देश से लोगों के बड़े पैमाने पर विस्थापन का कारण बन गया है। विडंबना यह है कि विकसित देशों ने कोविड-19 महामारी, संसाधनों के लिए प्रतिस्पर्धा, घरेलू राजनीति आदि के कारण शरणार्थियों हेतु अपनी सीमाओं को बंद कर दिया है। देशों द्वारा अपनी सीमाओं को बंद करने के कारण शरणार्थियों की स्थिति असुरक्षित हो गई है और वे आपके देश में प्रवेश करने के लिए कई अवैध मार्ग अपना रहे हैं। अपने देश के विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के रूप में, आप दूसरे देशों के अधिकारियों के साथ चर्चा में शामिल रहे हैं और आपको भारत में रहने वाले शरणार्थियों को सुरक्षित रूप से समायोजित करने के लिए एक राष्ट्रीय नीति तैयार करने का कार्य सौंपा गया है। इस संदर्भ में निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) अंतर्राष्ट्रीय शरणार्थियों, विशेष रूप से संघर्षग्रस्त क्षेत्रों से आने वाले शरणार्थियों, के अधिकारों से संबंधित नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

(b) भारत में शरणार्थियों की बड़ी संख्या के आगमन को देखते हुए आप क्या सुझाव देंगे।

अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पर्यावरण मानवाधिकारों, शरणार्थियों कल्याण से संबंधित नैतिक मुद्दों को 'अन्तर्राष्ट्रीय नैतिकता' की सहायता से सुलझाया जाता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

प्रस्तुत प्रकरण अन्तर्राष्ट्रीय नैतिकता एवं राष्ट्रीय हित-सुरक्षा के मध्य समन्वय स्थापित करने पर आधारित है।

(अ) अन्तर्राष्ट्रीय शरणार्थियों से अभिप्राय ऐसे शरणार्थियों से है जो पर्यावरणीय आर्थिक एवं धार्मिक कारणों के वजह से अपने मूल स्थान से विस्थापित हो जाते हैं।

शरणार्थियों के अधिकारों से संबंधित नैतिक मुद्दे निम्नलिखित हैं →

- मूल प्राकृतिक अधिकारों की प्राप्ति नहीं: लॉक के अनुसार जीवन स्वतन्त्रता एवं संपत्ति प्रत्येक व्यक्ति के अदेय-प्राकृतिक अधिकार होते हैं।
- कांट के अनुसार साध्यों के राज्य की अवधारणा का खंडन।

- मूलभूत आवश्यकताओं - रोटी, कपड़ा मकान, स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं
- शरणार्थियों में वियोग, बच्चे एवं महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार (मनुष्य का वस्तुकरण)
- 'वसुधैव कुटुम्बकम' की अवधारणा के विरुद्ध
- विश्व-बंधुत्व एवं भाईचारे की कमी
- राष्ट्रीय हित बनाम अन्तर्राष्ट्रीय हित के मध्य संघर्ष
- 'नॉन रिफॉउलमेंट' सिद्धांत के प्रतिकूल जिसके अनुसार शोषित व्यक्ति पुनः उसी स्थान पर भेजने हेतु बाध्य नहीं किया जा सकता।
- मानवतावादी नैतिकता के विरुद्ध गांधीजी, एम-एन-रॉय

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(ग) भारत में शरणार्थियों की बड़ी संख्या के आगमन को देखते हुए निम्नांकित सुझाव दिए जा सकते है

- शरणार्थियों की संख्या एवं संबंधित आंकड़ों को एकत्रित कर, राष्ट्रीय नीति का शीघ्र निर्माण करने का सुझाव दिया जाएगा।
- शरणार्थियों तक मूलभूत आवश्यकताओं यथा भोजन, कपड़ा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं की व्यवस्था करना।
- जिस देश के शरणार्थी है उन देशों के साथ वार्ता कर शरणार्थियों के मुद्दे का सुलझाना।
- कोविड-19 महामारी के प्रसार को रोकने हेतु यथासंभव प्रयास करना।

हालांकि भारत द्वारा संयुक्त राष्ट्र के शरणार्थी संरक्षण संबंधी अभिसमय को अभी रैटिफाइ नहीं किया गया।

किन्तु नॉन रिफाउलमेंट सिद्धांत एवं मानवाधिकार चार्टर के अनुसार शरणार्थियों की सुरक्षा परम कर्तव्य माना जाता है।

संगम काव्य की पंक्तियाँ

"यादुम उरे, यावरुम केलिर"

अर्थात यहाँ सब मेरे हैं और ये सभी का घर है।

उक्त पंक्तियाँ शरणार्थियों की समस्या में सहायक हो सकती है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें।)

10. Social interactions where a person is addressed by their correct name and pronouns, consistent with their gender identity, are widely recognized as a basic and yet critical aspect of gender affirmation. A national university invited speakers for a discussion on rights of sexual minorities in India. The panel included speakers representing a wide variety of opinions and perspectives on the issue. The debates, though largely peaceful, witnessed a controversy. A college association representing sexual minorities took offence against a panellist who cautioned against self-identification by sexual minorities and the liberal use of pronouns. The association reached out to the media and the localised controversy soon turned into a national issue across news networks and social media. The association demanded that the panellist apologise for his views and issue a public statement in this context. The panellist, on the other hand, seemed unmoved by the issue. In the meantime, the University has come under huge pressure to resolve the issue. The Vice Chancellor set up a Committee to look into the matter and its peaceful resolution. You have been appointed as the Chairperson of the Committee. In this regard, answer the following questions:

(a) Discuss the various moral issues involved in the case.

(b) Keeping the right to freedom of speech and expression in mind, highlight the steps you would take to resolve the issue and list arguments in support. **(20)**

सामाजिक संपर्क, जहां व्यक्ति को उनके सही नाम एवं सर्वनाम द्वारा और उनकी लैंगिक पहचान के अनुरूप संबोधित किया जाता है, को व्यापक रूप से लैंगिक पुष्टि के एक बुनियादी और महत्वपूर्ण पहलू के रूप में पहचाना जाता है। राष्ट्रीय स्तर के एक विश्वविद्यालय ने भारत में लैंगिक अल्पसंख्यकों के अधिकारों पर चर्चा के लिए वक्ताओं को आमंत्रित किया है। उस पैनल में इस मुद्दे पर विभिन्न प्रकार की राय और दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करने वाले वक्ता शामिल थे। हालांकि, वहां की गई चर्चा काफी हद तक शांतिपूर्ण थी, लेकिन इसमें एक विवाद भी उत्पन्न हुआ। लैंगिक अल्पसंख्यकों का प्रतिनिधित्व करने वाले एक कॉलेज एसोसिएशन ने लैंगिक अल्पसंख्यकों द्वारा आत्म-पहचान और सर्वनामों के उदार उपयोग के खिलाफ चेतावनी देने वाले एक पैनलिस्ट के खिलाफ उग्र विरोध प्रदर्शित किया। उस एसोसिएशन ने मीडिया के माध्यम से अपना मत व्यक्त किया और स्थानीय विवाद जल्द ही समाचार नेटवर्क और सोशल मीडिया पर एक राष्ट्रीय मुद्दे में बदल गया। उस एसोसिएशन ने मांग की कि वह पैनलिस्ट अपने विचारों के लिए माफी मांगे और इस संदर्भ में एक सार्वजनिक बयान जारी करे। दूसरी ओर, वह पैनलिस्ट इस मुद्दे से अप्रभावित था। साथ ही, विश्वविद्यालय पर मामले को सुलझाने का भारी दबाव है। कुलपति द्वारा मामले की जांच करने और इसके शांतिपूर्ण समाधान के लिए एक समिति का गठन किया गया है। आपको समिति के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया है। इस संबंध में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) इस प्रकरण में शामिल विभिन्न नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

(b) वाक् और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार को ध्यान में रखते हुए, इस मुद्दे को हल करने के लिए आप जो कदम उठाएंगे उसे रेखांकित कीजिए और समर्थन में तर्क दीजिए।

Don't write anything in this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

समाज में लैंगिक असमानता अत्यंत महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील मुद्दा है। लैंगिक अल्पसंख्यकों के साथ भेदभाव-पूर्ण व्यवहार, पहचान का अभाव प्रमुख मुद्दे हैं।

प्रस्तुत प्रकरण में लैंगिक अल्पसंख्यकों के अधिकारों के साथ वाक् एवं अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता पर भी वर्णन किया गया है।

(अ) प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे

→ बहुसंख्यक बनाम अल्पसंख्यकों का द्वन्द्व
→ लैंगिक असमानता एवं अन्याय
→ मनुष्य का वस्तुकरण करना
→ सामाजिक संपर्क में व्यवहार का मापदंड कैसा होना चाहिए

→ समाज में लैंगिक अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा एवं जागरूकता का प्रसार करना

→ अध्यक्ष होने के नाते 'निष्पक्ष न्याय' करने की नैतिक जिम्मेदारी

→ वाक् - अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता समान सामाजिक न्याय।

(ब) भारतीय संविधान में अनुच्छेद 19(1) में वाक् एवं अभिव्यक्ति का स्वतंत्रता का प्रावधान है। लेकिन 19(2) में स्वतंत्रता पर युक्ति - युक्त निर्बन्धन का भी प्रावधान किया गया है।

मुद्दे को हल करने हेतु कदम

→ सर्वप्रथम पैनलिस्ट एवं एसोसिएशन के मध्य एक बैठक का आयोजन किया जाएगा।

→ बैठक में सम्पूर्ण मुद्दे को जानने के बाद दोषी द्वारा माफीनामा

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

प्रस्तुत करवाया जाएगा।

→ लैंगिक अल्पसंख्यकों को लेकर की गई टिप्पणी पर पैम्फ्लेटर द्वारा सार्वजनिक रूप से माफी माँगने का आदेश।

उपयुक्त कार्यवाई तात्कालिक समस्या के समाधान हेतु अल्पकालिक सुधार के रूप में किए जा सकते है।

दीर्घकालिक उपायों के रूप में लैंगिक अल्पसंख्यकों के हितों की रक्षा हेतु कठोर कानूनी एवं प्रशासनिक नियमों के निर्माण हेतु सरकार से अनुरोध करूँगी।

और रही बात वाक् एवं अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता के अधिकार की। जॉ. एस. मिल

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

के स्वतंत्रता संबंधी विचारो से समाविष्ट किया जा सकता है।

मिल का मानना है कि स्वयं से संबंधित मामलों में स्वतन्त्रता अप्रतिबंधित मानी जा सकती है। लेकिन सामाजिक संपर्क एवं व्यवहार के दौरान स्वतन्त्रता सीमित एवं युक्ति युक्त प्रतिबंधो से प्रतिबंधित की जानी चाहिए

इस प्रकार स्वतन्त्रता एवं न्याय के मध्य सामंजस्य स्थापित करते हुए मुद्दे को सुलझाया जा सकता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. You are a young athlete representing India at an international-level competition. To your surprise, during the competition, you witness a few senior athletes injecting something using a syringe in private. When you approach them, they explain that it is a performance enhancing drug, which is very common in such competitions and you should take the same as well. You are aware that if these players get caught in a doping test, it may damage India's reputation. You are confused and afraid of the repercussions and decide to approach the coach to discuss the event you witnessed. However, you get to know that the athletes are taking the drug on the advice of the coach himself.

(a) What would you do in this scenario? Discuss the options available to you and chart your course of action.

(b) What are the reasons behind the use of performance enhancing drugs in competitive sporting events? How can this practice be minimized?

(20)

आप अंतर्राष्ट्रीय स्तर की एक प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले एक युवा एथलीट हैं। आश्चर्यजनक रूप से, आप प्रतियोगिता के दौरान कुछ वरिष्ठ एथलीटों को गुप्त रूप से सिरिंज का उपयोग करके कुछ इंजेक्शन को लगाते हुए देखते हैं। जब आप उनसे संपर्क करते हैं, तो वे समझाते हैं कि यह प्रदर्शन बढ़ाने वाली एक दवा है, जो ऐसी प्रतियोगिताओं में बहुत आम है और आपको भी इसे लेना चाहिए। आप जानते हैं कि यदि ये खिलाड़ी डोपिंग टेस्ट में फंस जाते हैं तो इससे भारत की साख खराब हो सकती है। आप दुविधा में हैं और इसके परिणामों से डरते हैं। साथ ही, आप इस घटना पर चर्चा करने के लिए कोच से संपर्क करने का फैसला करते हैं। हालांकि, आपको पता चलता है कि एथलीट कोच की सलाह पर इस दवा को ले रहे हैं।

(a) इस परिदृश्य में आप क्या करेंगे? आपके समक्ष उपलब्ध विकल्पों पर चर्चा कीजिए और अपनी कार्रवाई की रूपरेखा तैयार कीजिए।

(b) प्रतिस्पर्धी खेल प्रतियोगिता के आयोजनों में प्रदर्शन बढ़ाने वाली दवाओं के उपयोग के पीछे क्या कारण हैं? इस प्रथा को कैसे कम किया जा सकता है?

जापानी फिल्म 'शाओलीन सॉकर' में फुटबॉल खिलाड़ियों द्वारा एक विशेष दवा का सेवन करते हुए दिखाया गया है किन्तु बाद में इसके नकारात्मक असर का भी वर्णन किया है।

खेल प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों द्वारा अच्छे प्रदर्शन हेतु प्रायः दवाओं का प्रयोग किया जाता है। यह स्पोर्ट्समैन स्पिरिट एवं खेल नैतिकता के विरुद्ध माना जाता है।

प्रस्तुत प्रकरण में इसी प्रकार का मुद्दा बताया जा रहा है।

(उ) परिदृश्य से प्रयोग करने हेतु विकल्प

प्रथम विकल्प → कुछ नहीं करना अपने खेल पर ध्यान दूँ।

गुण
- व्यक्तिगत हित में खेल पर फोकस
- अन्य वरिष्ठ खिलाड़ियों से अच्छे सम्बंध बने रहेंगे

दोष
- भारत की छवि खराब होने का भय
- व्यक्तिगत नैतिकता के खिलाफ (बुराई देखना बुराई की शुरुआत) कन्फ्यूशियस

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

द्वितीय विकल्प → खिलाड़ियों से बातचीत कर, उन्हें इसके दुष्परिणामों के बारे में आगाह करना।

गुण
- व्यक्तिगत उत्तरदायित्व की पूर्ति
- शायद खिलाड़ी दवा का सेवन न करे

दोष
- वरिष्ठ खिलाड़ियों के फँसने की संभावना अभी भी
- शायद वे दवा का सेवन करें।

तृतीय विकल्प → कोच को इस मामले के बारे में अवगत कराएंगे तथा खिलाड़ियों से दवा न लेने की बात बताएंगे

गुण
- भारत की साख की रक्षा
- खिलाड़ियों पर कार्रवाई

दोष
- वरिष्ठ व्यक्ति खिलाड़ियों के साथ संबंध खराब

कार्रवाई के रूप में मैं तीसरे विकल्प को अपनाऊँगी, क्योंकि यह आ भारत की साख को बचाने राष्ट्रीय हित में है।

(ब) प्रदर्शन बढ़ाने वाली दवाओं के उपयोग के पीछे के कारण

- तीव्र एवं आसान जीत प्राप्त करने में सहायक
- विकसित देशों के खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं कर पाना
- आसानीपूर्वक प्रतिद्वन्दियों को हराने में सहायक
- व्यायाम की जरूरत नहीं पड़ती
- जीत प्राप्त करने का सस्ता साधन

उपर्युक्त प्रथा खेल नैतिकता एवं भावना के विपरीत है।

→ [कम किए जाने के उपाय]

① डोपिंग टेस्ट को अनिवार्य कर देना

① प्रत्येक गेम के बाद डोपिंग टेस्ट किया जाना।

① खेल भावना को उत्पन्न करना

① व्यायाम, प्रैक्टिस के प्रति खिलाड़ियों को प्रेरित करना

① अन्य देशों की भांति उपयुक्त उपकरण प्रदान करना।

दवाओं के दुष्परिणाम बताते हुए खिलाड़ियों को दवाओं के प्रयोग हेतु हतोत्साहित कर सकते हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. You have been newly appointed as the District Magistrate of a district, which is known for its rich mineral deposits. Following the news being circulated in the media about the illegal mining in your district, you have initiated an enquiry into it. When the State's Minister of Mines and Minerals gets to know of the enquiry initiated by you, he directs you to name some junior government employees as being involved in the wrongdoing and make them scapegoats. He also points out that elections to the State Assembly are around the corner and the present government wishes to stay clear of any political corruption. This Minister is a very influential figure in the present regime and there are high chances of the present ruling party being voted back to power. In due course of the enquiry, it has come to your notice that the said Minister has also been involved in illegal mining through his cronies.

The findings of the enquiry can affect the outcome of the elections as well as completely derail your career, if the incumbent party wins the elections, which looks very likely as per the polls.

Answer the following with reference to this case:

(a) Identify the stakeholders and the ethical issues in the given case.

(b) Critically evaluate the options in the given scenario and state your course of action, giving reasons. **(20)**

आपको एक ऐसे जिले के जिला मजिस्ट्रेट के रूप में नियुक्त किया गया है, जो अपने समृद्ध खनिज भंडार के लिए जाना जाता है। आपके जिले में अवैध खनन के बारे में मीडिया में खबर प्रसारित होने के बाद, आपने इसकी जांच शुरू कर दी है। जब राज्य के खान और खनिज मंत्री को आपके द्वारा शुरू की गई जांच के बारे में पता चलता है, तो वो आपको कुछ कनिष्ठ सरकारी कर्मचारियों पर गलत काम में शामिल होने का आरोप लगाने और उन्हें बलि का बकरा बनाने का निर्देश देते हैं। वह यह भी बताते हैं कि राज्य विधान सभा के चुनाव नजदीक हैं और वर्तमान सरकार किसी भी राजनीतिक भ्रष्टाचार से दूर रहना चाहती है। वह मंत्री वर्तमान सरकार में एक अत्यधिक प्रभावशाली व्यक्ति है और साथ ही, वर्तमान सत्ताधारी दल के सत्ता में वापस आने की बहुत अधिक संभावना है। जांच के क्रम में आपके संज्ञान में आया है कि उक्त मंत्री अपने साथियों के माध्यम से अवैध खनन में शामिल रहा है। यदि सत्ताधारी दल चुनाव जीत जाता है, जिसकी अनुमानों के अनुसार संभावना अधिक है, तो आपकी जांच के निष्कर्ष चुनाव परिणामों को प्रभावित करने के साथ-साथ आपके करियर को भी प्रतिकूल रूप से प्रभावित करेंगे।

इस प्रकरण के संदर्भ में, निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिए:

(a) प्रदत्त प्रकरण में शामिल हितधारकों और नैतिक मुद्दों की पहचान कीजिए।

(b) दिए गए परिदृश्य में उपलब्ध विकल्पों का समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए और कारण बताते हुए अपनी कार्रवाई का विवरण दीजिए।

दो या दो से अधिक नैतिक अनिवार्यताओं में से किसी एक का चयन करने की स्थिति 'हितों का संघर्ष' कहलाती है। इसमें व्यक्तिगत हित और सार्वजनिक हित के मध्य संघर्ष की स्थिति उत्पन्न होती है।

प्रस्तुत प्रकरण में एक तरफ स्वयं की नौकरी का मुद्दा है तो दूसरी तरफ सार्वजनिक हित की रक्षा है।

(अ) प्रकरण में शामिल हितधारक

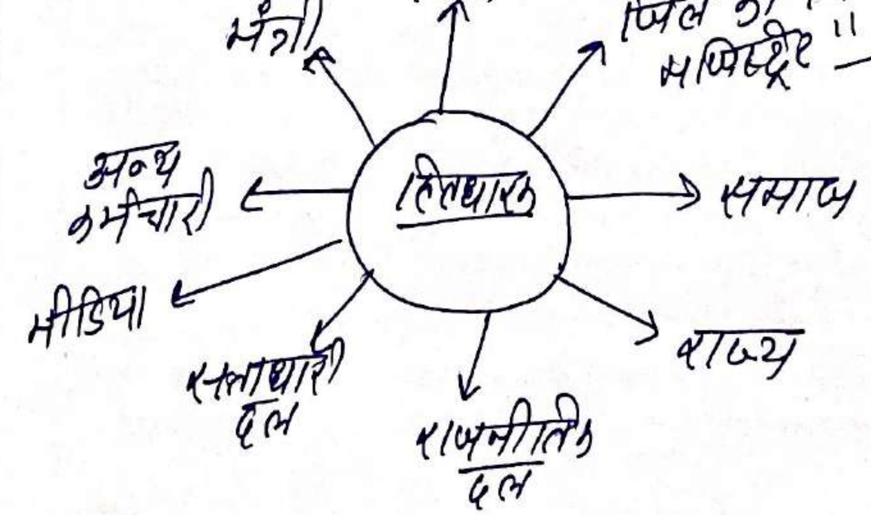

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

1837

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

प्रकरण में शामिल प्रमुख नैतिक मुद्दे

- जिले में अवैध खनन के कारण गरीबी व आय की असमानता में वृद्धि।
- राजनीतिक अपराधीकरण एवं क्रॉनी कैपिटलिज्म का प्रसार
- जिला मजिस्ट्रेट के रूप में एक तरफ व्यक्तिगत हित, दूसरी तरफ सार्वजनिक हित
- अन्य कर्मचारियों पर झूठा इल्जाम लगाना; कोर्ट के साक्ष्यों के रक्षा के विपरीत
- सामाजिक-राजनीतिक न्याय के विपरीत
- चुनावी दौर के कारण मीडिया एवं वाक्-अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता की निष्पक्षता का सम्मान

(ख) परिदृश्य में उपलब्ध विकल्प

प्रथम विकल्प → मंत्री द्वारा बताए गए कार्य करना

गुण
- व्यक्तिगत हितों की रक्षा।
- मंत्री के साथ अच्छे संबंध

दोष
- अधिकारियों के ऊपर गलत आरोप
- सार्वजनिक हित की उपेक्षा।

द्वितीय विकल्प → स्वयं का स्थानांतरण करने की सिफारिश तथा कुछ दिन के लिए बाहर चले जाना।

गुण
- व्यक्तिगत हित की रक्षा।
- मंत्री से दुश्मनी नहीं

दोष
- सार्वजनिक कर्तव्य की उपेक्षा।
- कर्तव्यविमुखता।

कार्रवाई → मीडिया की विसल ब्लोअर कर संपूर्ण जानकारी के बारे में बताकर। वरिष्ठ अधिकारियों को संपूर्ण घटनाक्रम से अवगत कराकर।

↓

कार्रवाई को अपनाने के कारण

↓

① सच्चाई छुपाने से सत्ताधारी दल के चुनाव जीतने पर पुनः यही घटनाक्रम लंबे समय तक चलता रहता, जो कि सामाजिक व राष्ट्रीय हित के प्रतिकूल

② कोर्ट के विशुद्ध कर्तव्यपालन एवं निरपेक्ष आदेश पर आधारित

"बुराई देखना, बुराई की शुरुआत होती है" (कन्फ्यूशियस)